माध्निक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

쬬좼 निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और उत्तर दें:

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई ट्रकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरे बन जाती । इसके कोई डेढ़ सौ साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़रियो को पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती थी । इनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ो

सुन्दर पेंसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब पेंसिल पर सुन्दर सुन्दर बच्चो के हसते खेलते चित्र होते है । कुछ पर पक्षीयों और जानवरों के भी चित्र होते है । वे इतनी रंग बिरंगी होती है फ़्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हांसिल की । अब तो डूतनी कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पडता। सबसे

- 2. ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता
 - ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली?

5. सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?

4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे?

1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली?

आधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

5

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर

कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता।

- ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली?
 - 4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे?

5 प्रश्नों निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और उत्तर दें :

पर लिखा जाता, तो निशान या लकीर बन जाती । इसके कोई डेढ़ सी साल बाद इंलैंड में शुद्ध ग्रीफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़िस्थे को इनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ो पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती थी ।

- 5. सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?

फ्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडधरमुथ ने सबसे पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हांसिल की । अब तो इतनी मुन्दर पेसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब पेसिल पर सुन्दर सुन्दर बच्चो के हसते खेलते चित्र होते है । कुछ पर पक्षीयो और जानवरों के भी चित्र होते है । वे इतनी रंग बिरंगी होती है

- करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली? ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और उत्तर हैं:

5

प्रश्नों

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और उत्तर दें :

8

प्रभा

आधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

प्राधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीर बन जाती । इसके कोई डेढ़ सौ साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़िरयों को इनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ों पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती थी ।

सबसे पहले पेसिल बनाने में कामयाबी हासिल की । अब तो इतनी सुन्दर पेसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब पेसिल पर सुन्दर सुन्दर बच्चों के हसते खेलते चित्र होते है । कुछ पर पक्षीयों और जानवरों के भी चित्र होते है । वे इतनी रंग बिरंगी होती है फ़ांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता ।

सबसे पहले पीसिल बनाने में कामयाबी हासिल की । अब तो इतनी सुन्दर पीसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब पीसिल पर सुन्दर बच्चो के हसते खेलते चित्र होते है । कुछ पर पक्षीयों और जानवरों के भी चित्र होते है । वे इतनी रंग बिरंगी होती है

फ़ांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने

इनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान ामला । पहले गड़ारेयों को इनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ो पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती थी ।

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरे बन जाती । इसके कोई डेढ़ सौ साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़िरयों को

- 1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली?
- 2. ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता

2. ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता

1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली?

कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता।

5. सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?

3. ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली?

4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे?

- 3. ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली?
- सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की? 4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे?

आधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों उत्तर दें :

8

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों का उत्तर दें:

आधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर

पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरे बन जाती । इसके कोई डेढ सौ साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़रियों को

आधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरे बन जाती । इसके कोई डेढ़ सौ साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़रियों को इनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ो पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती

डनका पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ो पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ो की अलग से पहचान हो जाती थी ।

फ़्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने सबसे पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हांसिल की । अब तो इतनी

इनका पता चता । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़ो पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ों की अलग से पहचान हो जाती

पैसेल पर सुन्दर सुन्दर बच्चो के हसते खेलते चित्र होते है । कुछ पर पक्षीयो और जानवरों के भी चित्र होते है । वे इतनी रंग बिरंगी होती है

कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पडता ।

2. ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता

1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली?

गडिरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे?
सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?

ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली?

सुन्दर पेंसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब

साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़रियों को

पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरे बन जाती । इसके कोई डेढ़ सौ

फ़्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने सबसे पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हांसिल की । अब तो इतनी सेतिल पर सुन्दर सुन्दर बच्चो के हंसते खेलते चित्र होते हैं । कुछ पर पक्षीयो और जानवरों के भी चित्र होते हैं । वे इतनी रंग बिरंगी होती है सुन्दर पेंसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता । फ़्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडधरमुध ने सबसे पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हांसिल की । अब तो इतनी मुन्दर पेंसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब पेंसिल पर सुन्दर सुन्दर बच्चो के हसते खेलते चित्र होते है । कुछ पर पक्षीयो और जानवरो के भी चित्र होते है । वे इतनी रंग बिरंगी होती है

2. ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता 1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली? ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता

1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली?

कि उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता ।

- - ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली? 3. ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पह. 4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे? 5. सबसे पहले पेंसिल बनाने में किस
- सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?

सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?

ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली?

4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे? 5. सबसे पहले पॅंकिन नामें ने

आधुनिक विद्या निकेतन ट्यूशन सेंटर

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों उत्तर दें :

5

5

ुर्जा निकास पता चला । वे ग्रैफाइट की चट्टान का टुकड़ा लेकर अपनी भेड़े पर निशान लगा देते । इससे उन भेड़ो की अलग से पहचान हो जाती थी । पेंसिल की कहानी बहुत पुरानी नहीं है। करीब छ: सौ वर्ष पहले जर्मनी में ग्रैफाइट की चट्टानें मिली । इनका कोई टुकड़ा लेकर कागज या पत्थर पर लिखा जाता, तो निशान या लकीरे बन जाती । इसके कोई डेढ़ सौ साल बाद इंग्लैंड में शुद्ध ग्रैफाइट की चट्टान मिली । पहले गड़रियों को

ु पॅसिल पर सुन्दर सुन्दर बच्चो के हंसते खेलते चित्र होते हैं । कुछ पर पक्षीयो और जानवरों के भी चित्र होते हैं । वे इतनी रंग बिरंगी होती है फ़्रांस के निकोलस जेटकांते और ऑस्ट्रेलिया के जोसफ हडथरमुथ ने सुन्दर पेंसिल बनती है कि बच्चे उन्हें पाने के लिए मचल उठते है । अब सबसे पहले पेंसिल बनाने में कामयाबी हांसिल की । अब तो डुतनी के उन्हें हाथ में लिए बगैर चैन ही नहीं पड़ता।

- 1. करीब छः सौ वर्ष पहले जर्मनी में किसकी चट्टानें मिली? 2. ग्रैफाइट के टुकड़े से कागज या पत्थर पर लिखने से क्या बन जाता
- 3. ग्रैफाइट की शुद्ध चट्टानें सबसे पहले कहाँ मिली? 4. गडरिये ग्रैफाइट से क्या करते थे? 5. सबसे पहले मेंगिल
- सबसे पहले पेंसिल बनाने में किसने कामयाबी हासिल की?